अणुव्रत आंदोलन

75

1949 - 2024

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत गीत महासंगान

श्रेष्ठ भारत का शंखनाद

18 जनवरी 2024

अणुव्रत आंदोलन के गौरवशाली 75 वर्ष

एक विश्व • एक स्वर • मानव धर्म मुखर

अणुविभा

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

अणुव्रत अनुशास्ता का
मंगल संदेश

मानव के भीतर अशुभ संस्कार होते हैं और शुभ संस्कार भी उसमें होते हैं। जब अशुभ संस्कार उभर जाते हैं और शुभ संस्कार निस्तेज हो जाते हैं, तब आदमी हिंसा, असंयम और अपराध में प्रवृत्त हो जाता है तथा जब अशुभ संस्कार कमजोर पड़ते हैं और शुभ संस्कार बलवान बनते हैं, तब आदमी अहिंसक, संयमी और सदाचारी बन जाता है।

परम पूज्य गुरुदेव तुलसी ने अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन किया और उसके द्वारा उन्होंने जनता को अहिंसा, नैतिकता और नशामुक्ति का संदेश दिया। उनके नेतृत्व में चारित्रात्माओं और कार्यकर्ताओं ने भी इस अभियान में स्वयं को नियोजित किया। अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य महाप्रज्ञजी ने भी अहिंसा यात्रा के द्वारा अणुव्रत के सिद्धान्तों को जनता में प्रसारित करने का प्रयास किया। वर्तमान में भी अणुव्रत का कार्य प्रगतिमान है।

अणुव्रत को प्रारंभ हुए 74 वर्ष संपन्न होने वाले हैं और 75वां वर्ष प्रारंभ होने वाला है। इस उपलक्ष में अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी के तत्त्वावधान में अणुव्रत अमृत महोत्सव मनाया जाना निर्णीत हुआ है। अणुव्रत का यह 75वां वर्ष अणुव्रत अभियान को विशेष गतिमत्ता प्रदान करने में योगभूत बने। चारित्रात्माओं, समणश्रेणी और गृहस्थ कार्यकर्ताओं तथा अणुव्रत के प्रति सद्भाव रखने वाले व्यक्तियों का मिला-जुला प्रयत्न इस वर्ष को सुफल बनाने वाला सिद्ध हो। शुभाशंसा।

-आचार्य महाश्रमण

अणुव्रत आंदोलन

अणुव्रत आंदोलन के प्रवर्तन का यह 75वां वर्ष है। जन-जन में मानवीय मूल्यों को प्रतिस्थापित करने के पवित्र उद्देश्य से फाल्गुन शुक्ल द्वितीया, 1 मार्च 1949 को महान संत आचार्य तुलसी ने राजस्थान के सरदारशहर कस्बे से अणुव्रत आंदोलन का प्रवर्तन किया था। किसी भी आंदोलन का इतना लम्बा सफर तय करने के बाद भी जीवंत और उपादेय बने रहना इतिहास की विरल घटना है। यह अणुव्रत दर्शन में निहित सार्वभौम सिद्धांतों और मूल्यों तथा इसके असाम्प्रदायिक स्वरूप से ही संभव हो सका है। बिना किसी जाति, धर्म, रंग और लिंग के भेदभाव के अणुव्रत का दर्शन मानव के श्रेष्ठ चरित्र को उजागर करने का एक व्यावहारिक मार्ग प्रस्तुत करता है।

अणुव्रत अमृत महोत्सव

अणुव्रत आंदोलन के 75वें वर्ष को अणुव्रत अमृत महोत्सव के रूप में वर्षपर्यंत मनाने का निर्णय लिया गया है। इस दौरान व्यक्ति निर्माण, समाज निर्माण और कार्यकर्ता निर्माण को लक्षित अनेक प्रकल्प हाथ में लिए गए हैं। नशामुक्ति, पर्यावरण संरक्षण और चुनाव शुद्धि अभियान के साथ ही नई पीढ़ी के नवनिर्माण के अनेक प्रकल्प इनमें शामिल हैं। लेखक और शिक्षक वर्ग जनहित के इस अभियान को आगे बढ़ाने में संलग्न है। ये कार्यक्रम स्थानीय, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित किए जाएंगे। इनमें अणुव्रत अमृत महोत्सव के विशिष्ट कार्यक्रमों के साथ ही नियमित प्रकल्प भी शामिल हैं। आइए, मानव मात्र के कल्याण को लक्षित इस आंदोलन जुड़ कर स्वयं और इस दुनिया को श्रेष्ठता की ओर अग्रसर करें।

> नैतिक एवं चारित्रिक मूल्य ही किसी समाज एवं देश को महान बनाते हैं। इन मूल्यों की पुनः स्थापना के लिए अणुव्रत गीत उत्तम प्रेरणा का अमोघ साधन है।

अणुव्रत गीत

विश्व की अधिकांश समस्याओं का कारण असंयम है। अणुव्रत गीत हमें संयममय जीवन की ओर प्रशस्त करता है। नैतिक एवं चारित्रिक मूल्य ही किसी समाज एवं देश को महान बनाते हैं। इन मूल्यों की पुनर्स्थापना के लिए अणुव्रत गीत उत्तम प्रेरणा का अमोघ साधन है। जब तक व्यक्ति स्वयं अनुशासित नहीं बनता, तब तक विश्व को सुंदर बनाने की परिकल्पना करना निरर्थक है। अणुव्रत गीत के माध्यम से अखिल विश्व में निवास करने वाले व्यक्तियों के मध्य मैत्री भाव बढ़ाने पर बल दिया गया है।

संयमः खुल जीवनम् ✿ संयम ही जीवन है

अणुव्रत गीत महासंगान के अंतर्गत अणुव्रत आंदोलन के प्रवर्तक महान संत आचार्य श्री तुलसी द्वारा रचित अणुव्रत गीत - "नैतिकता की सुरसरिता में जन-जन मन पावन हो, संयममय जीवन हो" गाया जाएगा। यह गीत सब जगह हिन्दी भाषा में और गीत की प्रचलित धुन में ही गाया जाएगा।

अणुव्रत गीत

संयममय जीवन हो।
नैतिकता की सुर-सरिता में जन-जन मन पावन हो।
संयममय जीवन हो।।

अपने से अपना अनुशासन, अणुव्रत की परिभाषा।
वर्ण, जाति या सम्प्रदाय से, मुक्त धर्म की भाषा।
छोटे-छोटे संकल्पों से मानस-परिवर्तन हो।
संयममय जीवन हो।।1।।

मैत्री-भाव हमारा सबसे, प्रतिदिन बढ़ता जाए।
समता, सह-अस्तित्व, समन्वय-नीति सफलता पाए।
शुद्ध साध्य के लिए नियोजित मात्र शुद्ध साधन हो ।
संयममय जीवन हो ।।2।।

विद्यार्थी या शिक्षक हो, मजदूर और व्यापारी।
नर हो नारी बने नीतिमय, जीवनचर्या सारी।
कथनी-करनी की समानता में गतिशील चरण हो ।
संयममय जीवन हो ।।3।।

प्रभु बनकर के ही हम, प्रभु की पूजा कर सकते हैं।
प्रामाणिक बनकर ही, संकट सागर तर सकते हैं।
शौर्य-वीर्य-बलवती अहिंसा ही जीवन-दर्शन हो।
संयममय जीवन हो ।।4।।

सुधरे व्यक्ति, समाज व्यक्ति से, राष्ट्र स्वयं सुधरेगा।
'तुलसी' अणुव्रत-सिंहनाद, सारे जग में प्रसरेगा।
मानवीय आचार-संहिता में अर्पित तन-मन हो।
संयममय जीवन हो ।।5।।

अणुव्रत गीत महासंगान
श्रेष्ठ भारत का शंखनाद

एक विश्व ✿ एक स्वर ✿ मानव धर्म मुखर

अणुव्रत गीत महासंगान

आचार्य तुलसी कृत अणुव्रत गीत में अणुव्रत के मानवतावादी दर्शन का बेहतरीन दिग्दर्शन है। अणुव्रत अमृत महोत्सव के ऐतिहासिक अवसर पर इंसानियत का पैगाम देने वाले और नवयुग का आह्वान करने वाले इस लोकप्रिय गीत के वृहद् स्तर पर सामूहिक संगान एवं सामूहिक संकल्प ग्रहण का लक्ष्य है। इस प्रेरणास्पद गीत के सकारात्मक स्पंदन हमारी व्यक्तिगत और सामाजिक चेतना को अवश्य झंकृत करेंगे और एक अहिंसक व शांतिप्रिय समाज के निर्माण में योगभूत बनेंगे, यह विश्वास है।

उद्देश्य व लक्ष्य

मानवीय एकता के संदेश को जन-जन में प्रसारित कर सकारात्मक वातावरण का निर्माण करना। भारत व अन्य देशों में 1000 से भी अधिक स्थानों पर सामूहिक रूप से अणुव्रत गीत का महासंगान।

कार्यप्रणाली

प्रथम चरण : अन्तिम तिथि 30 सितम्बर 2023

- समितियों व मंचों द्वारा स्थानीय संयोजक का मनोनयन
- स्कूलों, कॉलेजों, सामाजिक संस्थाओं, औद्योगिक संस्थानों, समाज की सहयोगी संस्थाओं से सम्पर्क कर आयोजन में अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित करना
- अधिक से अधिक आयोजन स्थलों का निर्धारण कर उनके लिए प्रभारी का मनोनयन
- अणुव्रत समितियों व मंचों द्वारा उनके आसपास के गांवों, शहरों में आयोजन की संभावना तलाशना व उनकी सूची अणुविभा को प्रेषित कर संयोजक मनोनयन में सहयोग करना
- गूगल फॉर्म के माध्यम से आयोजन स्थलवार संभावित संख्या की जानकारी देते हुए प्री-रजिस्ट्रेशन
- आवश्यकता अनुरूप केन्द्रीय कार्यालय से प्रचार सामग्री मंगवाना
- स्थानीय स्तर पर यथासम्भव चारित्रात्माओं के सान्निध्य व प्रतिष्ठित गणमान्यजनों की उपस्थिति में 'अणुव्रत गीत महासंगान' कार्यक्रम की सार्वजनिक घोषणा करना

समस्याएँ अनेक - समाधान एक

अणुव्रत जीवनशैली

अणुव्रत संकल्प

- मैं सद्भावपूर्ण व्यवहार करने का प्रयत्न करूँगा।
- मैं यथासंभव ईमानदारी का पालन करूँगा।
- मैं नशामुक्त जीवन जीऊँगा।

समस्याएँ अनेक ✿ समाधान एक ✿ अणुव्रत जीवनशैली

प्रथम चरण
अन्तिम तिथि
30 सितम्बर 2023

द्वितीय चरण
अन्तिम तिथि
31 दिसम्बर 2023

तृतीय चरण
18 जनवरी 2024

कार्यप्रणाली

द्वितीय चरण : अन्तिम तिथि 31 दिसम्बर 2023

- आयोजन स्थलों पर मेजबान संस्था के पदाधिकारियों के साथ बैठक कर 18 जनवरी 2024 के कार्यक्रम की रूपरेखा को अन्तिम रूप देना
- प्रत्येक आयोजन स्थल पर संभावित संभागियों के साथ रिहर्सल आयोजित करना
- रिहर्सल कार्यक्रम में अणुव्रत गीत की व्याख्या कर जागरुकता पैदा करना
- अणुव्रत यात्रा के त्रिसूत्रीय संकल्पों से परिचित कराना ताकि 18 जनवरी 2024 के कार्यक्रम में सभी संभागी सामूहिक रूप से ये संकल्प स्वीकार करें
- प्रत्येक संभागी को अणुव्रत गीत की प्रति (प्रिंटेड अथवा डिजिटल) उपलब्ध कराना
- प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को समाचार प्रेषित करना

तृतीय चरण : 18 जनवरी 2024

- यथासमय कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारियां तय करना और टीम से साथ नियमित बैठकें आयोजित कर 18 जनवरी 2024 के मुख्य कार्यक्रम की व्यवस्थाओं को अन्तिम रूप देना
- पहले दिन आयोजन स्थल पर व्यक्तिशः जा कर व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करना
- एक-दो दिन पूर्व प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को समाचार प्रेषित करना व कार्यक्रम में संपादकों व संवाददाताओं को आमंत्रित करना
- कार्यक्रम में क्षेत्र के गणमान्य व्यक्तियों को आमंत्रित करना
- प्रत्येक आयोजन स्थल पर कार्यकर्ता की उपस्थिति सुनिश्चित कर निर्धारित प्रारूप में कार्यक्रम की आयोजना करना
- महासंगान में संभागी बच्चे व बड़े निर्धारित फॉर्म में संकल्प स्वीकार करें, यह व्यवस्था करना
- केन्द्रीय स्तर पर निर्धारित गाइडलाइन के अनुरूप महासंगान कार्यक्रम की फोटोग्राफी व वीडियोग्राफी कराना
- निर्धारित प्रारूप में कार्यक्रम आयोजन की सूचना व डाटा अणुविभा टीम को कार्यक्रम के 2 घण्टे के अन्दर उपलब्ध कराना
- प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को फोटो सहित समाचार प्रेषित करना
- फोटो सहित समाचार की एक प्रति अणुविभा टीम को प्रेषित करना

अणुव्रत गीत महासंगान
श्रेष्ठ भारत का शंखनाद

एक विश्व ✿ एक स्वर ✿ मानव धर्म मुखर

चिल्ड्रन'स पीस पैलेस - राजसमंद
बाल विकास का अनूठा उपक्रम

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-
+91 91166 34513 head.office@anuvibha.org

जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम

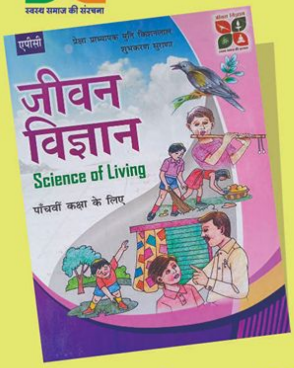

"प्रार्थना सभा में जीवन विज्ञान" जीवन विज्ञान का प्रारंभिक एवं सरलतम चरण है। विद्यार्थियों को जीवन विज्ञान का गहन प्रशिक्षण प्रदान करने एवं इसे नियमित पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने के लिए कक्षा 1 से 12 तक प्रत्येक स्तर के लिए जीवन विज्ञान पाठ्यक्रम की उत्कृष्ट पुस्तकें उपलब्ध हैं।

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-
+91 91166 34514 jeevan.vigyan@anuvibha.org

नई पीढ़ी में रचनात्मकता और सकारात्मकता को प्रोत्साहित करने का राष्ट्रव्यापी अभियान

ANUVRAT CREATIVITY CONTEST 2023

प्रतियोगिताएं
लेखन | चित्रकला | गायन | भाषण | कविता

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-
+91 91166 34514 acc@anuvibha.org

आपका स्कूल शैक्षिक भ्रमण पर जाने की योजना बना रहा है?
इसे मूल्यपरक, उपलब्धिपरक और यादगार बनाने के लिए प्रस्तुत है...
'बालोदय एजुटूर'

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-
+91 99285 08098 balodaya@anuvibha.org

बच्चों का देश
राष्ट्रीय बाल मासिक

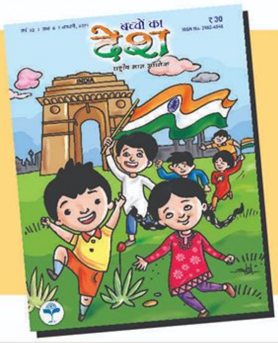

दो दशक से प्रकाशित लोकप्रिय
राष्ट्रीय बाल पत्रिका
मनोरंजन और ज्ञानवर्धन से भरपूर

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-
+91 91166 34515 bkd@anuvibha.org

अणुविभा
अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी
www.anuvibha.org

अणुविभा

आयोजक :

अणुव्रत विश्व भारती सोसायटी

चिल्ड्रन'स पीस पैलेस, पोस्ट बॉक्स संख्या - 28, राजसमन्द-313324 (राज.)
head.office@anuvibha.org +91 91166 34515

अणुव्रत भवन, 210 दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
delhi@anuvibha.org +91 91166 34512

जीवन विज्ञान भवन, जैन विश्व भारती कैम्पस, लाडनूं-341306
jeevan.vigyan@anuvibha.org +91 91166 34514

www.anuvibha.org anuvibha.page @ANUVIBHA @ANUVIBHAOFFICIAL ANUVRAT_Global

अणुव्रत गीत महासंगान

केन्द्रीय समन्वय केन्द्र व संयोजकीय सम्पर्क सूत्र

अणुव्रत समिति, ग्रेटर सूरत

+91- 97372 80171 ■ 93746 13000 ■ 98254 04433 ■ 93747 26946